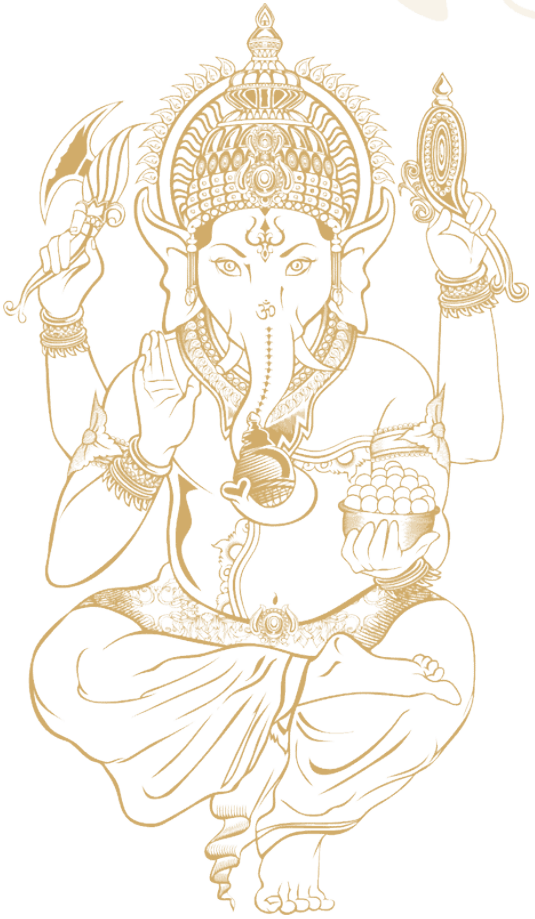

Janardan Tiwari

26 Apr 2001

09:15 AM

Degana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121715202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/04/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:15:00 घंटे**
इष्ट	08:09:17 घटी
स्थान	**Degana**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:46:00 उत्तर
रेखांश	74:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:42:08 घंटे
वेलान्तर	00:02:12 घंटे
साम्पातिक काल	22:59:00 घंटे
सूर्योदय	05:59:17 घंटे
सूर्यास्त	19:02:32 घंटे
दिनमान	13:03:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:06:31 मेष
लग्न के अंश	03:42:42 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शोभन
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	03:42:42	334:30:13	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मेष	12:06:31	00:58:25	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			वृष	13:13:22	13:35:38	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			धनु	03:47:26	00:10:21	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	मेष	15:19:30	02:08:42	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृष	18:36:02	00:12:30	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	08:15:39	00:13:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि			वृष	06:45:38	00:07:19	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	14:14:33	00:04:53	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	14:14:33	00:04:53	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:30:45	00:01:36	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:50:47	00:00:29	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:00:31	00:01:09	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	19:34:28	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:13

लग्न-चलित

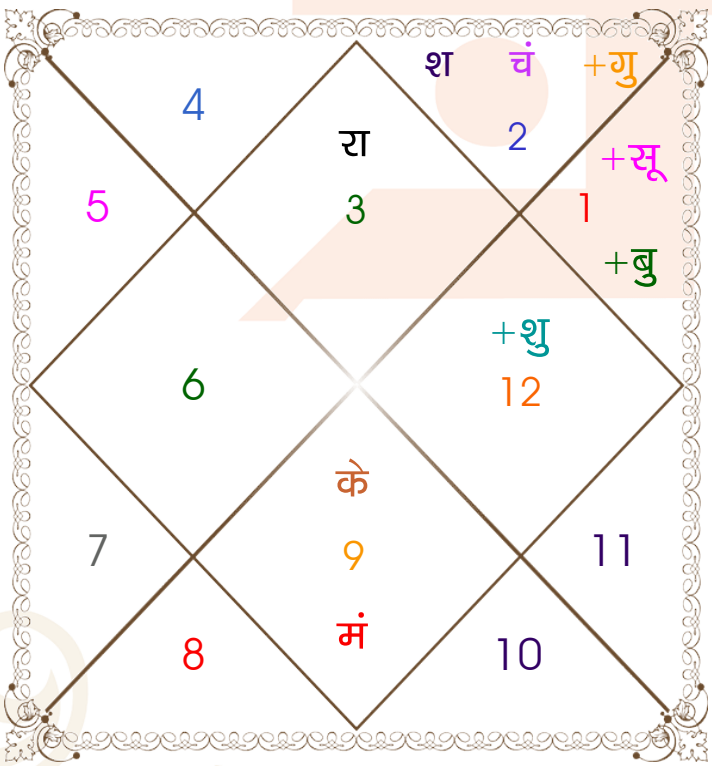

चन्द्र कुंडली

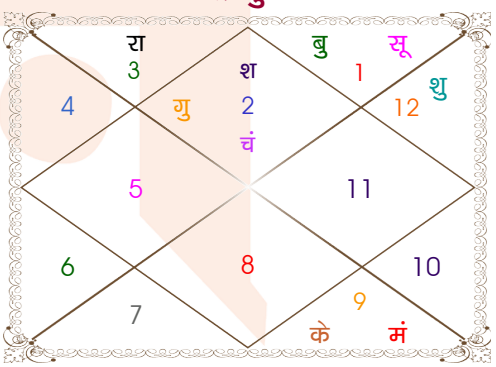

नवमांश कुंडली

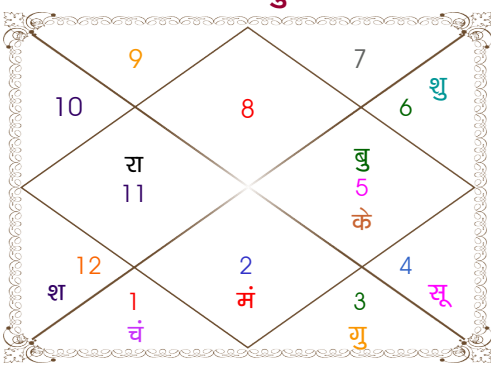

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 6 मास 30 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/04/2001		25/11/2008		25/11/2015		25/11/2033		25/11/2049	
25/11/2008		25/11/2015		25/11/2033		25/11/2049		25/11/2068	
	00/00/0000	मंगल	23/04/2009	राहु	08/08/2018	गुरु	13/01/2036	शनि	28/11/2052
	26/04/2001	राहु	11/05/2010	गुरु	31/12/2020	शनि	26/07/2038	बुध	08/08/2055
राहु	25/10/2001	गुरु	17/04/2011	शनि	07/11/2023	बुध	31/10/2040	केतु	16/09/2056
गुरु	24/02/2003	शनि	26/05/2012	बुध	26/05/2026	केतु	07/10/2041	शुक्र	16/11/2059
शनि	25/09/2004	बुध	23/05/2013	केतु	14/06/2027	शुक्र	07/06/2044	सूर्य	28/10/2060
बुध	24/02/2006	केतु	19/10/2013	शुक्र	14/06/2030	सूर्य	26/03/2045	चंद्र	29/05/2062
केतु	25/09/2006	शुक्र	19/12/2014	सूर्य	08/05/2031	चंद्र	26/07/2046	मंगल	08/07/2063
शुक्र	26/05/2008	सूर्य	26/04/2015	चंद्र	06/11/2032	मंगल	02/07/2047	राहु	14/05/2066
सूर्य	25/11/2008	चंद्र	25/11/2015	मंगल	25/11/2033	राहु	25/11/2049	गुरु	25/11/2068

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/11/2068		25/11/2085		25/11/2092		26/11/2112		26/11/2118	
25/11/2085		25/11/2092		26/11/2112		26/11/2118		00/00/0000	
बुध	23/04/2071	केतु	23/04/2086	शुक्र	26/03/2096	सूर्य	15/03/2113	चंद्र	26/09/2119
केतु	19/04/2072	शुक्र	23/06/2087	सूर्य	26/03/2097	चंद्र	14/09/2113	मंगल	27/04/2120
शुक्र	18/02/2075	सूर्य	29/10/2087	चंद्र	25/11/2098	मंगल	20/01/2114	राहु	27/04/2121
सूर्य	26/12/2075	चंद्र	29/05/2088	मंगल	25/01/2100	राहु	14/12/2114		00/00/0000
चंद्र	26/05/2077	मंगल	25/10/2088	राहु	26/01/2103	गुरु	03/10/2115		00/00/0000
मंगल	23/05/2078	राहु	13/11/2089	गुरु	26/09/2105	शनि	14/09/2116		00/00/0000
राहु	10/12/2080	गुरु	20/10/2090	शनि	26/11/2108	बुध	21/07/2117		00/00/0000
गुरु	18/03/2083	शनि	28/11/2091	बुध	26/09/2111	केतु	26/11/2117		00/00/0000
शनि	25/11/2085	बुध	25/11/2092	केतु	26/11/2112	शुक्र	26/11/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 6 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।